सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 65 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 9 अप्रैल, 2025

मूल्य ₹ 3/-

सफलता की खुशी मनाना अच्छा है पर उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना।

-बिल गेट्स

अजेय गुजरात का मुकाबला जोशीले... 7 | राज्यपालों के विवाद पर फिर... 3 | प्रदेश में बेलगाम हो गए हैं... 2

पीएम मोदी के फैसले को दिखाया ठेंगा!

यूपी की महामहिम के लिए सरकार खरीदेगी महंगी कार

- » प्रधानमंत्री ने सरकारी अपव्यय को रोकने के दिए थे निर्देश
- » टयोटा की हाइब्रिड कार पर सहमति, सरकारी खजाने से होगी खरीद
- » योगी सरकार का तोहफा या फिर राजभवन के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2014 में जब एनडीए पार्ट वन सरकार का गठन हुआ था तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकारी अपव्य को रोकने के लिए कड़े फैसले लिये थे। यूपीए सरकार के लग्जरी राजनीतिक व्यवहार पर अंकुश लगाया था। सरकारी कार्यक्रमों में महंगे बुके और कीमती तोहफों पर पाबंदी लगा दी गयी थी। स्वागत के लिए सिर्फ एक गुलाब का फूल और तोहफे के तौर पर किसी महापुरुष के जीवन पर लिखी किताब ही काफी थी। लेकिन यह क्या 2025 आते—आते यह सभी बातें इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गयी और आज वहीं सबकुछ हो रहा है जो 2014 से पहले तक होता आया था। यूपी की योगी सरकार ने राज्य के प्रथम व्यक्ति राज्यपाल के लिए बाकायदा कैबिनेट बैठक कर महंगी कार से चलने का प्रस्ताव पास किया है। अब यह सीएम योगी की पहल है या फिर राजभवन से मिले निर्देशों पर अमल यह देखने वाली बात होगी।

गवर्नर का विवादों से रहा है नाता

बांदा के तिंदवारी से भाजपा विधायक बृजेश प्रजापति ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को पत्र लिखकर विश्वविद्यालय में नियुक्तियों में एक ही जाति के लोगों को प्राथमिकता देने का आरोप गर्वनर पर लगाया था। इसी तरह के आरोप सपा ने भी लगाये थे। सपा का कहना है कि प्रदेश के 30 विश्वविद्यालयों में से 22 में एक ही जाति के व्यक्तियों को कुलपति नियुक्त किया गया है, जिससे अन्य वर्गों की उपेक्षा हुई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हो या फिर राष्ट्रीय महा?सचिव राम गोपाल यादव दोनों ही नेता अक्सर गर्वनर को बीजेपी के पक्ष में काम करने का आरोप लगाते हैं। ?

मंगलवार की कैबिनेट में पास हुआ प्रस्ताव

मंगलवार को लोकभवन में आहूत कैबिनेट बैठक में कुल 15 प्रस्ताव रखे गये थे जिनमें 13 प्रस्तावों पर सहमति बनी और वह पास हुए। कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव संख्याा 1 और 4 पर सहमति नहीं बनी और उन्हें अगली कैबिनेट बैठक के लिए लंबित रखा गया। प्रस्ताव में महामहिम आनंदीबेन पटेल के चलने के लिए लग्जरी कार का प्रस्ताव था जो पास हो गया। जल्द ही गवर्नर यूपी की सड़कों पर टोयोटा कंपनी की हाइब्रिड कार कार से चलेंगी। इस कार की बाजार में लाखों रूपयों की कीमत हैं। जाहिर सी बात है कार महंगी होगी तो उसके रखरखाव पर खर्च भी ज्यादा आयेगा। राज्यपाल की आधिकारिक वेबसाइट पर गवर्नर फ्लीट नाम का एक एक फोटो एलबम उपलब्ध है, जिसमें उनके वाहन शामिल हैं। हालांकि इन वाहनों के विशिष्ट मॉडलों का विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

पूरा हो चुका है कार्यकाल पर अब भी यूपी में डटीं

यूपी की गर्वनर आंनदी बेन पटेल का पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा हो चुका है। नियमों के मुताबिक जबतक नये गर्वनर की नियुक्ति् नहीं हो जाती तब तक मौजूदा गर्वनर अपने पद पर बना रहेगा। यूपी के पूर्व गवर्नर रामनाईक की समय पर रिटायरमें और प्लेसमेंट हो गया था। लेकिन कई माह का समय बीत जाने के बाद भी मौजूदा गर्वनर पद के लिए कोई नया नाम सामने नहीं आया है।

अन्य राज्यों के गवर्नर भी पीछे नहीं

हिंदी भाषी मध्य प्रदेश के गवर्नर के लिए वहां की सरकार ने वर्ष 2016 में 34 लाख रुपये मूल्य की नई स्कोडा कार खरीदने की मंजूरी दी थी। गवर्नर स्कोडा कार से चलते हैं। हिमाचल प्रदेश के गवर्नर के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2018 में 80 लाख रुपये की मर्सिडीज ई 350 कार खरीदी थी। हिमाचल प्रदेश के महामहिम इसी कार से चलते हैं। झारखंड में वर्ष 2018 में, झारखंड सरकार ने आधिकारिक उपयोग के लिए 20 इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे थे। बाकी राज्यों के गर्वनर के लिए चलने वाली कारों और फ्लीट की जानकारी सार्वजनिक तौर पर नहीं है।

कांग्रेस में जो नहीं निभा सकते जिम्मेदारी उन्हें रिटायर होना होगा : खरगे

- » कांग्रेस अध्यक्ष का पार्टी नेताओं को सख्त संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी नेताओं को सख्त संदेश देते हुए बुधवार को कहा कि जो लोग पार्टी के काम में हाथ नहीं बटाते उन्हें आराम करने की आवश्यकता है और जो जिम्मेदारी नहीं निभाते, उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए। उन्होंने यहां कांग्रेस के अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि जिला अध्यक्षों की नियुक्ति निष्पक्ष तरीके से होगी और चुनावों में उम्मीदवारों के चयन में उन्हीं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। खरगे ने कहा, संगठन निर्माण में जिला अध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण होने वाली है। इसलिए इनकी नियुक्ति कांग्रेस के दिशानिर्देशों के अनुसार निष्पक्षता से होनी है। उनके अनुसार, जिला अध्यक्ष को अपनी नियुक्ति के एक साल के अंदर बूथ कमेटी, मंडल कमेटी, ब्लॉक कमेटी और जिला कमेटी बेहतरीन लोगों को जोड़ते हुए बनाना है तथा इसमें कोई पक्षपात नहीं होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमने भी देश भर से जिला अध्यक्षों की तीन बैठकें बुलाईं। राहुल जी और हमने उनसे बात की। उनसे जानकारी ली। हम भविष्य में उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया में जिला अध्यक्षों को शामिल करने वाले हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, साथ में मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जो लोग पार्टी के काम में हाथ नहीं बटाते, उन्हें आराम करने की आवश्यकता है। जो जिम्मेदारी नहीं निभाते, उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए।

मोदी सरकार हर संस्था में बढ़ा रही अपना दखल

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि देश की अर्थव्यवस्था में मोनोपॉली स्थापित की जा रही है। सार्वजनिक संपत्तियों को धीरे-धीरे निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। पीएसयूज को बेचकर लाखों सरकारी नौकरियों को खत्म कर एससी, एसटी व ओबीसी वर्ग के आरक्षण पर चोट की जा रही है। दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण देना तो दूर की बात है, उल्टे मोदी सरकार एक-एक करके सारे पीएसयूज अपने दोस्तों को सौंप रही है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो नरेंद्र मोदी एक दिन देश बेच देंगे। उन्होंने कहा कि आज सरकार चुनाव आयोग से लेकर संसद तक अपना विस्तार करने की कोशिश में है। चुनाव कराने वाली संस्थाएं सरकार के कंट्रोल में हैं। सरकार हर संस्था में दखल देकर अपना वर्चस्व बढ़ा रही है।

प्रदेश में बेलगाम हो गए हैं अधिकारी : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले: प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सपा की बात पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था नहीं है। यही बात हम लोग पहले से कह रहे है। अधिकारी बेलगाम हैं। मनमाने तरीके से मुकदमे लगा रहे हैं। भ्रष्टाचार चरम पर है। अखिलेश ने जौनपुर में बात करते हुए कहा कि जौनपुर में हत्या की कई घटनाएं हो चुकी हैं। पुजारी के साथ हुई घटना में पुलिस वाले ही जेल में हैं।

भाजपा सरकार अपनी नाकामी को छिपाने के लिए वक्फ बिल लेकर आई है। भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह से एंबुलेंस सेवा 108, 102 और डायल 100 पुलिस सेवा सब बर्बाद कर दी गई है। भाजपा सरकार में पुलिस ही माफिया का काम कर रही है। बरेली की घटना में पुलिस ने अपहरण किया।

जौनपुर में सरजू देई पूर्व ब्लाक प्रमुख खुटहन के स्व. पति धर्मराज यादव को श्रद्धांजलि देने पहुंचे सपा प्रमुख।

अब तो शेयर मार्केट से देशवासियों की जेबें खाली हो रहीं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि शेयर बाजार में एक दिन में ही इतनी बड़ी गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महमंदी का इशारा है। भाजपा सरकार ने महंगाई और भ्रष्टाचार ही नहीं, अब तो शेयर मार्केट के पतन से भी देशवासियों की जेबें खाली कर दी हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने सांविधानिक पदों पर रहते हुए शेयर में पैसा लगाने के लिए आम जनता को बहकाया-फुसलाया था। उन्होंने कहा कि इसके लिए भाजपा सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं।

अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के बयान पर कहा कि जब उन्होंने शब्द वापस ले लिए और राज्यसभा की कार्यवाही से भी शब्द हटा दिए गए तो अब किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

संघ की काट निकालेगी सपा

समाजवादी पार्टी अब वैचारिक फ्रंट पर भी संघ परिवार की सोच के खिलाफ अभियान चलाएगी। साथ ही समाजवादी विचारों को गांव-गांव व घर-घर तक पहुंचाएगी। इसके लिए सपा नेतृत्व ने समर्पित टीमें बनाने का फैसला किया है। ये टीमें ब्लॉक, तहसील व जिला स्तर पर जाकर काम करेंगी। सपा अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म को लगातार मजबूत कर रही है। साथ ही प्रचार के अन्य माध्यमों पर भी उसका जोर है। पार्टी नेतृत्व लगातार यह कहता है कि वो समाजवादी विचारक राममनोहर लोहिया के उदार हिंदुत्व के रास्ते को ठीक मानता है। पार्टी का मानना है कि संघ परिवार के विचार कट्टर हिंदुत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए समाजवादियों को उनके विचारों का खुलकर विरोध करना चाहिए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, धर्म और हिंदुत्व पर लोहिया के जो विचार हैं, उन्हें पैंफलेट के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसमें यह भी बताया जाएगा कि उदार और कट्टर हिंदुत्व में क्या अंतर है। कट्टर हिंदुत्व की धारा क्यों देश व समाज के लिए घातक है। साथ ही मनु स्मृति के खिलाफ भी समाजवादी पक्ष को जनता के बीच रखा जाएगा। हर जिले में कुछ समर्पित कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

सरकारी बैठक के बीच सपा सांसद व भाजपा विधायक में बहस

उत्तर प्रदेश स्थित संतकबीरनगर (खलीलाबाद) में एक अहम जिला स्तरीय बैठक उस वक्त विवादों में घिर गई जब जिले के सपा सांसद पप्पू निषाद ने तहसीलों और थानों में वसूली के आरोप लगाए. सांसद के इस बयान पर भाजपा के सदर विधायक अंकुर राज तिवारी ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उन्हें खुली चुनौती दे दी कि अगर वसूली हो रही है तो उसके सबूत पेश करें, नहीं तो झूठे आरोप न लगाएं। यह पूरा मामला विकास भवन स्थित सभागार में आयोजित जिला पंचायत सदस्यों की बैठक के दौरान हुआ. बैठक में जिले के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में सांसद ने आरोप लगाया कि तहसीलों और थानों में आम जनता से अवैध वसूली हो रही है, और कुछ अफसर इसमें संलिप्त हैं। सांसद के इन आरोपों से सदर विधायक भड़क गए और उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि %सरकार पर इस तरह के आरोप लगाना दुर्भाग्यपूर्ण है. अगर कहीं वसूली हो रही है तो उसके प्रमाण दें, सरकार कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगी. लेकिन बेबुनियाद बयानबाजी से जनता और पार्टी दोनों को नुकसान होता है। बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच काफी देर तक बहस होती रही, जिससे माहौल गर्म हो गया। हालात बिगड़ते देख प्रशासनिक अधिकारियों को बीच-बचाव करना पड़ा, जिसके बाद बैठक आगे बढ़ पाई।

गंगाजल से मंदिर 'शुद्धिकरण' के मामले पर भाजपा में रार

» ज्ञानदेव आहूजा भाजपा से निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस नेता टिकाराम जूली के एक मंदिर में जाने के बाद वहां गंगाजल से 'शुद्धिकरण' करने पर बीजेपी ने अपने पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। यह मंदिर अलवर जिले में है। इस घटना के बाद कांग्रेस ने बीजेपी पर दलित विरोधी मानसिकता का आरोप लगाया और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से माफी की मांग की थी। जिसके बाद पार्टी आलाकमान ने आहूजा के खिलाफ एक्शन लिया है।

नोटिस में कहा गया कि आपके इस बयान और कृत्य से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है, जोकि घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। इसलिए आपको पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि अगर आहूजा इस पर कोई सफाई देना चाहें, तो तीन दिन के अंदर भेज सकते हैं। इसके बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया और कई जगहों पर आहूजा का पुतला फूंका गया।

गहलोत ने भी दी प्रतिक्रिया

इसी मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा टीकाराम जूली के मंदिर जाने के बाद बीजेपी नेता आहूजा द्वारा गंगाजल छिड़कना 21वीं सदी में दलितों के प्रति बीजेपी की संकीर्ण सोच और नफरत को दिखाता है। यह व्यवहार किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

आहूजा ने किया बचाव

वहीं आहूजा ने खुद को बचाते हुए कहा कि उनके इस कृत्य का जाति से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि कांग्रेस ने पहले भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए थे और अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया था।

बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करना उचित नहीं : जी परमेश्वर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बेंगलुरु के बीटीएम लेआउट में हाल ही में हुई यौन उत्पीड़न की घटना पर अपनी टिप्पणी पर भारी आक्रोश के बाद सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

उन्होंने कहा कि मैंने राज्य में निर्भया परियोजना समेत महिला सुरक्षा के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं। हमने निर्भया परियोजना अनुदान को देश के किसी भी अन्य राज्य से अधिक लागू किया है। किसी बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करना और मेरा अपमान करना उचित नहीं है। मैंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई सख्त कदम उठाए हैं। मेरा मानना है कि महिलाओं की सुरक्षा होनी चाहिए। अगर देश की माताओं को ठेस पहुंची है तो मुझे खेद है। परमेश्वर ने माफी तब मांगी है जब सीसीटीवी में कैद यौन उत्पीड़न की एक परेशान करने वाली घटना के मद्देनजर उनकी टिप्पणियों को खारिज करने के लिए आलोचना की गई थी। इससे पहले मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, इस तरह की घटनाएं बड़े शहरों में यहां-वहां होती रहती हैं।

सांसदों की चैट लीक होने के बाद नाराज दिखीं ममता बनर्जी

» महुआ मोइत्रा को निलंबन की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी सांसद महुआ मोइत्रा को मोइत्रा और उनके साथी टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के बीच हुई बहस के बाद कड़ी चेतावनी दी है।

सूत्रों ने संकेत दिया है कि मोइत्रा को चेतावनी दी गई है कि वे पीछे हट जाएं या पार्टी से निलंबन का सामना करें। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने ममता बनर्जी को महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी के बीच हुई बहस से जुड़ी पूरी घटना के बारे में जानकारी दी है। इसके बाद, ममता का संदेश एक महिला राज्यसभा सांसद के माध्यम से महुआ तक पहुंचाया गया। संदेश में महुआ को कड़ी चेतावनी दी गई है, जिसमें उन्हें सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई और यहां तक कि पार्टी से निलंबन की चेतावनी भी दी गई है, अगर ऐसा ही व्यवहार जारी रहा। सूत्रों के अनुसार, महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी के बीच चल रहा तनाव कई मुद्दों से

उपजा है। महुआ कथित तौर पर कल्याण बनर्जी से नाराज़ हैं क्योंकि उन्हें लोकसभा में बोलने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया, क्योंकि वे पार्टी के कई सांसदों के बीच फ्लोर टाइम को मैनेज करने के लिए जिम्मेदार हैं। महुआ, जो ज़्यादातर मुद्दों पर अपनी राय रखना चाहती हैं, कथित तौर पर कई मौकों से वंचित की गई हैं, जिससे वे हताश हैं। इसके अलावा, पार्टी और मीडिया दोनों में कल्याण बनर्जी की बढ़ती हुई छवि ने कथित तौर पर महुआ को असुरक्षित महसूस कराया है। स्थिति तब और बिगड़ गई जब महुआ ने कथित तौर पर कल्याण बनर्जी और उनकी बेटी के खिलाफ़ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

भाजपा और नेकां की साजिश से प्रभावित हो रही विधानसभा कार्यवाही : खुर्शीद शेख

» अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक ने स्पीकर बदलने की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने बीजेपी और नेकां के गठबंधन पर आरोप लगाते हुए स्पीकर को बदलने की मांग की। विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव को लेकर अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने सरकार पर कड़े आरोप लगाए हैं।

शेख ने कहा कि बीजेपी और नेकां फिक्स मैच कर रहे हैं। सदन की कार्यवाही प्रभावित हो रही है क्योंकि सदन के नेता नहीं हैं, वे बीजेपी नेताओं का ट्यूलिप गार्डन में स्वागत करने में व्यस्त हैं। खुर्शीद अहमद शेख ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस के कुछ सदस्यों ने स्पीकरों पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया है। उनका कहना था कि लगभग पांच से छह लोग अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। यदि नेकां ईमानदार हैं, तो उन्हें आकर हस्ताक्षर करना चाहिए। सात महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर बहस होनी थी और उन्हें मंजूरी मिलनी थी। हमने अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया है क्योंकि हम एक नए स्पीकर की मांग कर रहे हैं। हम बोलने वाले की भावना जानना चाहते हैं। यदि नेकां ईमानदार है और वक्फ बिल पर बहस करना चाहती है, तो सात प्रस्तावों को प्रस्तुत करना चाहिए। अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक ने इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा और सदन की कार्यवाही को।

राज्यपालों के विवाद पर फिर बवाल!

तमिलनाडु के गवर्नर को 'सुप्रीम' झटका

» शीर्ष कोर्ट का फैसला- राज्यपाल विस से पारित कानून को अनिश्चित काल तक नहीं रोके रह सकते

» कई राज्यों में उठ चुके हैं सीएम व राज्यपाल में विवाद

» केंद्र व राज्य में अलग-अलग पार्टियों की सरकार होने पर परेशानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में राज्यपालों व राज्य सरकारों के बीच विवाद होना आम बात है। खासतौर जब राज्य व केंद्र में भिन्न-भिन्न पार्टियों की सरकारें होती हैं तो टकरार ज्यादा होने की संभावना बढ़ जाती है। कभी-कभी तो देखने में आता है मामले कोर्ट तक पहुंच जाते है।

पिछले दस साल में जबसे मोदी सरकार सत्ता में हैं यूपी में अखिलेश यादव- रामनाइक, बंगाल में केशरीनाथ, जगदीप धनखड़ व वर्तमान राज्यपाल बसु, नई दिल्ली में एलजी सक्सेना व तत्कालीन सीएम केजरीवाल व आतिशी के बीच विवाद हमेशा सुर्खियों में बने रहें। इसके अतिरिक्त तमिलनाडु में गवर्नर एन रवि व सीएम स्टालिन के बीच विवाद भी बहुत गहराया अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है जिसमे राज्यपाल को निर्देश दिया गया है कि वह राज्य विस द्वारा पारित बिल ज्यादा देरतक नहीं रोक सकते हैं।

तमिलनाडु सरकार ने दाखिल की थी याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्यपाल विधानसभा से पारित विधेयकों को अनिश्चित समय तक रोके नहीं रह सकते। वह सरकार को दोबारा विचार के लिए विधेयक भेज सकते हैं, लेकिन अगर विधानसभा विधेयक को पुराने स्वरूप में वापस पास करती है, तो राज्यपाल के पास उसे मंजूरी देने के अलावा कोई विकल्प नहीं, वह उसे राष्ट्रपति के पास भेजने के नाम पर लटकाए नहीं रह सकते। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 200 की व्याख्या से जुड़ा यह अहम फैसला तमिलनाडु सरकार की याचिका पर दिया है। राज्य सरकार ने राज्यपाल पर विधानसभा से पारित बिलों को राज्यपाल की तरफ से अटकाए रखने का आरोप लगाया था। वहीं, राज्यपाल ने कहा था कि उन्होंने इन कानूनों को रोकने की जानकारी राज्य सरकार को दी थी। उन्होंने कई कानूनों को राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा है. ऐसा करना उनके अधिकार क्षेत्र में आता है।

नबाम रेबिया बनाम उपाध्यक्ष

वर्ष 2016 में उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया था कि राज्यपाल के विवेक के प्रयोग से संबंधित अनुच्छेद 163 सीमित है और उसके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई मनमानी या काल्पनिक नहीं होनी चाहिये। अपनी कार्रवाई के लिये राज्यपाल के पास तर्क होना चाहिये और यह सद्भावना के साथ की जानी चाहिये।

भारत में राज्यपाल की भूमिका

जिस प्रकार केंद्र में राष्ट्र का प्रमुख राष्ट्रपति होता है उसी प्रकार राज्यों में राज्य का प्रमुख राज्यपाल होता है। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल राज्य का औपचारिक प्रमुख होता है और राज्य की सभी कार्यवाहियाँ उसी के नाम पर की जाती हैं। प्रत्येक राज्य का राज्यपाल देश के केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है एवं यह राज्य के मुख्यमंत्री की सलाह से कार्य करता है। सामान्यत: राज्यपाल का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है, परंतु वह इस अवधि से पूर्व भी राष्ट्रपति को इस्तीफा देकर सेवानिवृत्त हो सकता है।

राज्यपाल को विवेकाधीन शक्तियां प्राप्त

यदि किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है, तो राज्यपाल मुख्यमंत्री के चयन में अपने विवेक का उपयोग कर सकता है।किसी दल को बहुमत सिद्ध करने हेतु कितना समय दिया जाना चाहिये यह भी राज्यपाल के विवेक पर निर्भर करता है।आपातकाल के दौरान वह मंत्रिपरिषद की सलाह मानने के लिये बाध्य नहीं होता। ऐसे समय में वह राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है और राज्य का वास्तविक शासक बन जाता है।

रामेश्वर प्रसाद बनाम भारत सरकार

वर्ष 2006 में दिये गए इस निर्णय में पाँच सदस्यों वाली न्यायपीठ ने स्पष्ट किया था कि यदि विधानसभा चुनावों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता और कुछ दल मिलकर सरकार बनाने का दावा करते हैं तो इसमें कोई समस्या नहीं है, चाहे चुनाव पूर्व उन दलों में गठबंधन हो या न हो।

महत्वपूर्ण निर्णय जिन्होंने राज्यपाल की विवेकाधीन शक्तियों को आकार दिया

एस.आर. बोम्मई बनाम भारत सरकार

सर्वोच्च न्यायालय के कई ऐसे फैसले हैं, जिनका समाज और राजनीति पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है। इन्हीं में से एक है 11 मार्च, 1994 को दिया गया ऐतिहासिक फैसला जो राज्यों में सरकारें भंग करने की केंद्र सरकार की शक्ति को कम करता है।गौरतलब है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस.आर. बोम्मई के फोन टैपिंग मामले में फँसने के बाद तत्कालीन राज्यपाल ने उनकी सरकार को बर्खास्त कर दिया था, जिसके बाद यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुँचा था।सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय ने केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 356 के व्यापक दुरुपयोग पर विराम लगा दिया।इस फैसले में न्यायालय ने कहा था कि किसी भी राज्य सरकार के बहुमत का फैसला राजभवन की जगह विधानमंडल में होना चाहिये। राष्ट्रपति शासन लगाने से पहले राज्य सरकार को शक्ति परीक्षण का मौका देना होगा।

स्टालिन ने सुप्रीमकोर्ट के फैसले को बताया ऐतिहासिक

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ तमिलनाडु के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक बड़ी जीत है. इस फैसले से यह साबित हुआ है कि राज्यों को अपनी स्वायत्तता और अधिकार मिलना चाहिए. डीएमके राज्य की स्वतंत्रता और संघीय व्यवस्था के लिए हमेशा संघर्ष करता रहेगा।

राज्यपाल ने 10 विधेयकों को स्वीकृति नहीं दी थी

तमिलनाडु सरकार का कहना था कि राज्यपाल आर एन रवि ने 10 विधेयकों को स्वीकृति नहीं दी है। इनमें से सबसे पुराना विधेयक जनवरी 2020 का है. कई विधेयकों को राज्य विधानसभा दोबारा पारित कर राज्यपाल के पास भेज चुकी है।उनके पास उन विधेयकों को मंजूरी देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, लेकिन लंबे समय तक विधेयकों को रोके रखने के बाद अब राज्यपाल उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजने की बात कह रहे हैं।

'राज्यपाल की तरफ से अपनाई गई प्रक्रिया अवैध'

अब जस्टिस जे बी पारडीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने फैसला देते हुए राज्यपाल की तरफ से अपनाई गई प्रक्रिया को अवैध करार दिया है। जजों ने कहा है कि राज्यपाल को संविधान वीटो की शक्ति नहीं देता। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में हुई देरी को देखते हुए संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत मिली विशेष शक्ति का भी इस्तेमाल किया। कोर्ट ने आदेश दिया कि विधानसभा से राज्यपाल के पास दोबारा भेजे गए 10 विधेयक उसी तरीख से मंजूर माने जाएंगे, जब उन्हें दोबारा भेजा गया था।

1959 से राज्य और केंद्र सरकार के बीच राजनीतिक मतभेद

गौरतलब है कि राज्यपाल का कार्यालय पिछले पाँच दशकों से सबसे विवादास्पद रहा है। यह विवाद 1959 में राज्य और केंद्र सरकार के बीच राजनीतिक मतभेद के कारण केरल के तत्कालीन राज्यपाल द्वारा केरल सरकार की बर्खास्तगी से शुरू हुआ था। इस विवाद ने 1967 में उत्तरी राज्यों में कई गैर-कांग्रेसी सरकारों के उभरने के बाद सबसे खराब रूप धारण कर लिया। भारतीय संविधान का भाग पांच में देश के संघीय ढाँचे के महत्त्वपूर्ण हिस्से यानी राज्यों से संबंधित है। संविधान के अनुच्छेद 152 से 237 तक राज्यों से संबंधित विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख किया गया है।अनुच्छेद 153 के मुताबिक, देश में प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होगा। साथ ही एक व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। अनुच्छेद 155 के अनुसार, राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। संविधान के अनुसार, राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख और प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है। वह भारतीय राजनीति की संघीय प्रणाली का हिस्सा है तथा संघ एवं राज्य सरकारों के बीच एक पुल का काम करता है। संविधान के अनुच्छेद 157 और अनुच्छेद 158 में राज्यपाल के पद हेतु आवश्यक पात्रता निर्धारित की गई है जो निम्नलिखित हैं वह भारतीय नागरिक हो।उसकी उम्र कम-से-कम 35 वर्ष हो।वह न तो संसद के किसी सदन का सदस्य हो और न ही राज्य विधायिका का। वह किसी लाभ के पद पर न हो।ध्यातव्य है कि संविधान का अनुच्छेद 163 राज्यपाल को विवेकाधिकार की शक्ति प्रदान करता है अर्थात् वह स्वविवेक संबंधी कार्यों में मंत्रिपरिषद की सलाह मानने हेतु बाध्य नहीं है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चिकित्सक की आड़ में लोगों को जोखिम में डालना अपराध

चिंता इस बात की है कि समूचे चिकित्सा तंत्र में ऐसा ठोस बंदोबस्त नहीं हो पा रहा है, जिसके तहत ऐसे नीम हकीमों पर अंकुश लगाया जा सके। नतीजा सामने है। नीम हकीमों का जाल फैलता ही नजर आता है। मध्यप्रदेश के दमोह शहर में जो कुछ हुआ वह तो चिकित्सा के नाम पर फर्जीवाड़े की पराकाष्ठा ही कही जाएगी।

मप्र में जिस तरह से फर्जी हृदय रोग विशेषज्ञ पकड़ा गया है। उससे चिंतित बात ये है उसके इलाज की वजह की कई लोगों की जान गई। जब छानबीन हुई तो उसकी डिग्री फर्जी मिली। बता दें नीम हकीम खतरा-ए-जान की कहावत नई नहीं है। चिकित्सक का चोला ओढ़ उपचार कर लोगों की जान जोखिम में डालने की घटनाएं भी देश-दुनिया में आए दिन होती रहती है। चिंता इस बात की है कि समूचे चिकित्सा तंत्र में ऐसा ठोस बंदोबस्त नहीं हो पा रहा है, जिसके तहत ऐसे नीम हकीमों पर अंकुश लगाया जा सके। नतीजा सामने है। नीम हकीमों का जाल फैलता ही नजर आता है। मध्यप्रदेश के दमोह शहर में जो कुछ हुआ वह तो चिकित्सा के नाम पर फर्जीवाड़े की पराकाष्ठा ही कही जाएगी। हैरत इस बात की कि लंदन के एक नामी कार्डियोलॉजिस्ट के नाम से एक जने को एक निजी अस्पताल ने बिना किसी जांच-पड़ताल के चिकित्सक के रूप में नियुक्ति दे दी।

लापरवाही की हद तो यह कि न तो दमोह के मिशन अस्पताल ने इस जालसाज के शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज जांचने की जरूरत समझी न ही एमसीआइ के उस सर्टिफिकेट की मांग की जो किसी भी चिकित्सक को प्रेक्टिस की अनुमति देता है। यह कल्पना करने से ही सिहरन हो उठती है कि यह फर्जीवाड़ा उजागर नहीं होता तो न जाने कितने लोगों को और जान से हाथ धोना पड़ता। एक ही माह में दिल के ऑपरेशन के दौरान अस्पताल में सात मरीजों की मौत हो गई। इनमें से कुछ ने ऑपरेशन टेबल पर दम तोड़ दिया। इनमें कई मरीजों के परिजन तो अपने घर के सदस्य की मौत को स्वाभाविक मान चुके थे। दरअसल, चिकित्सा जैसे पेशे में योग्यता और डिग्री की जांच परख का कमजोर सिस्टम ही ऐसे नीम हकीमों को बढ़ावा देने का काम करता है। सरकारी सिस्टम में भ्रष्टाचार इस तरह से घुस गया है कि कोई भी अपने शैक्षणिक योग्यता के फर्जी दस्तावेज तक तैयार करा लेता है। अब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी इस प्रकरण में सख्ती की बात कही है तो मानवाधिकार आयोग का जांच दल भी दमोह आने की तैयारी में है। लेकिन चिंता इसी बात की है कि जिम्मेदार भी दमोह जैसी घटना सामने आने के बाद ही हरकत में आते हैं। फर्जी चिकित्सक एक तरह से समूचे चिकित्सकीय तंत्र को बदनाम करते हैं। आए दिन जब ऐसे नीम हकीम सामने आते हैं तो चिकित्सक जैसे पवित्र पेशे के प्रति भी लोगों का भरोसा डगमगाने लगता है। विदेश से एमबीबीएस की डिग्री को मान्यता के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने हाल में पुख्ता प्रक्रिया बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं। चिकित्सा क्षेत्र में तो सभी स्तर पर जांच-पड़ताल की सख्त आवश्यकता है। यह इसलिए भी कि जरा सी चूक से लोगों की जान पर बन सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बैंकॉक में मोदी-यूनुस मुलाकात के मायने

ज्योति मल्होत्रा

बीते शुक्रवार बैंकॉक में बिम्सटेक सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के बीच हुई मुलाकात की पृष्ठभूमि में दो घटनाओं का संदर्भ जरूरी है। पहली है, जब 5 अगस्त, 2024 को उग्र भीड़ ने बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान का घर जलाने की कोशिश की, जिसकी तस्वीरें बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का प्रतीक बनीं, इसके कुछ ही मिनट पहले शेख हसीना को ढाका छोड़कर दिल्ली भागना पड़ा था, और तथाकथित छात्र क्रांति के बाद शीर्ष पद पर अमेरिका में प्रशिक्षित अर्थशास्त्री को बैठाया गया था – इसके दो महीने बाद, 5 फरवरी को यूनुस की नाक के नीचे, वे इस घर को जलाने में कामयाब हो गये। दूसरी घटना है, पिछले सप्ताह बीजिंग में यूनुस और चीनी व्यवसायियों के बीच हुई मुलाकात, जहां उन्होंने भारत के सात पूर्वोत्तर राज्य, जिन्हें प्यार से 'सेवन सिस्टर्स' कहा जाता है, उनको लेकर कुख्यात और नागवार टिप्पणी की थी। यूनुस ने चीनियों से कहा, 'भारत की 'सेवन सिस्टर्स' तट विहीन भूभाग है – उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है।

हम इस समूचे इलाके में समुद्र के एकमात्र संरक्षक हैं्ज्बांग्लादेश से, आप जहां चाहे जा सकते हैं। समुद्र मानो हमारा पिछला आंगन है। इसलिए, यहां पर वह अवसर है, जिसे आप लपकना चाहेंगे'। शायद, यह बांग्लादेशी सचमुच एक भोला व्यक्ति है। हो सकता है, उन्होंने जो कुछ कहा, उसका भावार्थ अनुवाद करते वक्त कुछ बदल गया हो। कदाचित एस. जयशंकर से लेकर हिमंत बिस्वा सरमा और प्रद्योत माणिक्य बर्मन तक, भारतीय राजनेताओं की प्रतिक्रिया अनावश्यक तौर पर कठोर रही हो। लेकिन तथ्य यह है कि प्रधानमंत्री के साथ अपनी बैठक की पूर्व संध्या पर बांग्लादेशी नेता की टिप्पणी में भारत के एक संवेदनशील मर्मस्थल का संदर्भ था – वह इलाका जो विद्रोह ग्रस्त रहा है, जहां पर सीमा पार से हथियारों की आमद होती रही है, इसमें 2001-06 के बीच खालिदा जिया की बीएनपी सरकार के वक्त चली गतिविधियां, सांप्रदायिक तनाव भी शामिल हैं – शायद कूटनीतिक लिहाज से ऐसे बोल बहुत सही नहीं थे।

इसमें भारत की नाजुक रग दबाने की कोशिश दिखी- बेशक यह सच भी है। लेकिन यहां दूसरा तथ्य भी है। यदि भारत को लगा कि उस पर नाहक दबाव बनाया जा रहा है, तो उसके पास खालिस, निष्ठुर शक्ति प्रयोग के दम पर उत्तर-पूर्व और अन्यत्र अपनी कमजोरियों से उबरने और अन्यत्र हमला

करने की क्षमता है। यही वजह है कि अपने छोटे पड़ोसियों को भारत जब कभी और जहां कहीं छोटे-छोटे अपराधबोध महसूस करवाता है तो वे इलाके के बड़े ड्रैगन (चीन) की और तकने लगते हैं – ज़्यादातर मामलों को छोड़कर, और यकीनन बांग्लादेश के मामले में, उसके और चीन के बीच दूरी काफी है। इसके अलावा, नाजुक मर्मस्थल दोनों तरफ है, यदि भारत की 'सेवन सिस्टर्स' की घेराबंदी करने की फिराक में बांग्लादेश है, तब उसका भीतरी भाग असल में भारतीय इलाका है। राजनेताओं और भूगोलवेत्ताओं, दोनों ने ही, इस मूलभूत तथ्य को काफी पहले समझ लिया था -यह कि भूगोल सिर्फ़ इतिहास नहीं है, यह मौजूदा राजनीति और कूटनीति से भी बना होता है। विंस्टन चर्चिल गलत नहीं थे जब उन्होंने तय किया कि वे ऐसे प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे जो ब्रिटिश साम्राज्य का सबसे अनमोल रत्न (भारतीय उपमहाद्वीप) को यूं ही छोड़ दे। विभाजन के वर्षों की गहन खोज से हमें पता चलता है कि जब 1947 में अंतत: अंग्रेज़ों को लगने लगा कि अब झींकते-बिलबिलाते जाना ही पड़ेगा, तो मन बना लिया कि इस उपमहाद्वीप को अविभाजित एवं समन्वित इकाई के रूप में छोड़कर नहीं जाएंगे। अब सीधे 2025 में आते हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'सेवन सिस्टर्स' पर यूनुस की बचकानी टिप्पणियों का त्वरित जवाब दिया, यह रेखांकित करते हुए कि भारत के पास पूर्व में न केवल लगभग 6,500 किमी. लंबा समुद्री तट है, बल्कि बंगाल की खाड़ी के पांच देशों के साथ सीमा साझी है और यह 'भारतीय उपमहाद्वीप और आसियान मुल्कों के बीच संबंधों का मौका प्रदान करती है'।

निश्चित रूप से, भारत की असाधारण शक्ति, विशेषकर अपने आस-पास के इलाके में, को नकारा नहीं जा सकता – न 1971 में, न ही 2025 में। यह अलग बात है कि शेख हसीना ने हाल के वर्षों में अपने पैंतरों से विपक्षियों को राजनीति से बहुत हद तक महरूम रखा था – यह भी उतना ही सच है कि भारत उनके ऐसे कई उपायों को अनुमोदित नहीं करता था, विशेष रूप से देश के भीतर शांति स्थापना की खातिर बांग्लादेश की राजनीति में दूसरी अहम महिला खालिदा जिया से राबता बनाने में उनके सीधे इनकार पर। भारत को आखिर में हसीना का समर्थन इसलिए करना पड़ा, क्योंकि उसे लगता था कि विकल्प कहीं अधिक बुरा है। वह स्याह डर अब सामने से गुजर रहा है।

दौलत नहीं परिश्रम से मिलती है सुख की राह

योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण'

बचपन में किताबों में पढ़ा था— 'इफ वेल्थ इस लॉस्ट, नथिंग इज लॉस्ट; हेल्थ इज लॉस्ट, समथिंग इज लॉस्ट, करैक्टर इज लॉस्ट, एवेरीथिंग इज लॉस्ट', लेकिन विडंबना देखिए कि आज तो समाज में बिल्कुल उल्टा ही देखने को मिल रहा है। चरित्र को तो जैसे हमने अंतिम मानकर भुला ही दिया है और पैसा सर्वोपरि हो गया है। इसका परिणाम धीरे-धीरे हमारे सामने आ रहा है। जिसके चलते समाज में जीवन मूल्यों का लगातार पराभव देखने में आ रहा है। यही वजह है कि समृद्धि व संपन्नता के बावजूद हमारी सोच सकारात्मक नहीं रही। जिसके चलते हम तमाम तरह के मनोकायिक रोगों के शिकार हो रहे हैं। तरह-तरह के रोग हमारे शारीरिक श्रम करने से बढ़ने लगे हैं। जिसकी वजह से आज महानगर से लेकर नगरों और कस्बों से लेकर गांवों तक आज हमें 'डाक्टर्स ही डाक्टर्स' बड़े-बड़े हॉस्पिटल और नर्सिंग होम मिलेंगे।

कैंसर, लीवर, गुर्दे, टीबी, हार्ट और मूत्र संबंधी रोगों के इलाज के बड़े-बड़े होर्डिंग्ज दिखाई देंगे। जाहिर है रोग बढ़ेंगे तो रोग उपचार के कारोबार भी बढ़ेंगे। दरअसल, यहां डॉक्टरों की बढ़ती भीड़ चेता भी रही है और डरा भी रही है। आज से बीस-तीस साल पहले जहां ढूंढ़े से कोई डॉक्टर मिलता था, आज वहां भीड़ है। मेरा अंतर्मन कहता है कि हम सुख की तलाश 'दौलत' में करते-करते सबसे बड़े जीवन-मूल्य 'परिश्रम' को भूल बैठे हैं। जबकि यह एक हकीकत है कि पसीने से महकते किसान, जवान और श्रमिक कोई व्यायाम करने को नहीं कहता। उनका श्रमयुक्त जीवन अपने आप में व्यायाम है। वे स्वस्थ भी रहते हैं। यहां तक कि फिट सैनिक को जवान की संज्ञा दी जाती है। जवान यानी हमेशा फिट रहने वाला। आज बेचैन अंतर्मन को एक बेहद सार्थक और मार्मिक बोधकथा पढ़ने को मिली है, जो हमारे कई प्रश्नों के उत्तर दे देती है। आप भी इस प्यारी सी कथा को पढ़िए।

'पुराने समय में एक राजा था। राजा के पास सभी सुख-सुविधाएं और असंख्य सेवक-सेविकाएं थे, जो हर समय उसकी सेवा को उपलब्ध रहते थे। लेकिन उसके जीवन में श्रम की कोई जगह न थी। राजा को किसी चीज की कमी नहीं थी। फिर भी राजा अपने जीवन से सुखी नहीं था, क्योंकि वह अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी परेशान रहता था। राजा सदा बीमारियों से घिरा रहता था। राजा का उपचार सभी बड़े-बड़े वैद्यों द्वारा किया गया, परंतु इसके बावजूद राजा को स्वस्थ नहीं किया जा सका। अपने राजा की बढ़ती बीमारी से राज दरबार चिंतित हो गया। वे राजा को स्वस्थ बनाने के तमाम उपायों पर विचार करने लगे। राजा की बीमारी दूर करने के लिए दरबारियों द्वारा राज्य में ऐलान करवा दिया गया कि जो भी राजा का स्वास्थ्य ठीक करेगा, उसे असंख्य स्वर्ण मुहरें दी जाएंगी। यह घोषणा सुनकर एक वृद्ध भी राजा का इलाज करने राजा के महल में गया। वृद्ध ने राजा के पास आकर कहा, 'महाराज, आप आज्ञा दें तो आपकी बीमारी का इलाज मैं कर सकता हूं।' राजा की आज्ञा पाकर वह बोला, 'आप किसी पूर्ण सुखी मनुष्य के वस्त्र पहनिए, आप अवश्य स्वस्थ और सुखी हो जाएंगे।' वृद्ध की बात सुनकर राजा के सभी मंत्री और सेवक जोर-जोर से हंसने लगे।

इस पर वृद्ध ने कहा, 'महाराज! आपने सारे उपचार करके देख लिए हैं, यह भी करके देखिए! मेरा दावा है कि आप अवश्य ही स्वस्थ हो जाएंगे।' राजा ने उसकी बात से सहमत होकर सेवकों को पूर्ण सुखी मनुष्य की खोज में राज्य की चारों दिशाओं में भेज दिया, परंतु उन्हें कोई पूर्ण सुखी मनुष्य कहीं भी नहीं मिला। यह सुनकर राजा भी गहरी सोच में डूब गया। अब राजा स्वयं किसी सुखी मनुष्य की खोज में निकल पड़ा। अत्यंत गर्मी के दिन होने से राजा का बुरा हाल हो गया और वह एक पेड़ की छाया में विश्राम हेतु रुका। तभी राजा को एक मजदूर इतनी गर्मी में भी मजदूरी करता दिखाई दिया। राजा ने उससे पूछा, 'क्या, आप पूर्ण सुखी हो?' मजदूर खुशी-खुशी और सहज भाव से बोला, 'जी, भगवान की कृपा से मैं पूर्ण सुखी हूं!' उसने मजदूर को ऊपर से नीचे तक देखा तो मजदूर ने सिर्फ धोती पहनी हुई थी और वह गाढ़ी मेहनत से पूरा का पूरा पसीने से तरबतर था। राजा यह देखकर समझ गया कि परिश्रम करने से ही एक आम मजदूर भी पूर्ण सुखी है।

इस तरह राजा को सुखी रहने का मंत्र मिल गया था। राजा ने राजमहल लौटकर उस वृद्ध का उपकार मानते हुए उसे असंख्य स्वर्ण मुद्राएं दीं। अब राजा स्वयं आराम और आलस्य छोड़कर खूब परिश्रम करने लगे। कुछ ही दिनों में राजा पूर्ण स्वस्थ और सुखी हो गया। मित्रो! इस बोधकथा का सार यही है कि आज हम भौतिक सुख-सुविधाओं के इतने आदी हो गए हैं कि हमारे शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति क्षीण होती जा रही है। दरअसल, श्रम करने से जहां हमारी जीवनी शक्ति बढ़ती है। लगातार श्रम करते रहने से हमारी पाचन शक्ति भी दुरुस्त रहती है। हमें नकारात्मक बातें सोचने का वक्त भी नहीं मिलता है। कहा भी है—

'श्रम से बढ़कर कुछ नहीं, श्रम कर रे! इंसान।
धन-दौलत रहने यहीं, जीवन है पहचान।'

हेयरस्टाइल और मेकअप

हल्दी में अलग हेयर स्टाइल के लिए मेसी बन, ब्रेडेड हेयरस्टाइल, या ओपन वेवी हेयर बनाएं। इसके साथ मिनिमल और ग्लोइंग मेकअप रखें, पीच या न्यूड टोन बेस्ट रहेंगे। बिंदी और काजल से लुक को पूरा करें। अगर आप उन लोगों में से हैं जो अपने लहराते बालों में घूमना पसंद करते हैं तो निस्संदेह सबसे अच्छा विकल्प ओपन हेयरस्टाइल के अलावा और कुछ नहीं होगा। खुले बालों के लिए सामान्य हेयरस्टाइल के बजाय कई ऐसे लुक आजमाने चाहिए जो आप पर और अधिक सूट करें।

हल्दी लुक के लिए बेस्ट ज्वेलरी

हल्दी में हैवी ज्वेलरी की बजाय हल्की, खूबसूरत और फ्लोरल ज्वेलरी ज्यादा अच्छी लगती है। यदि फ्लोरल ज्वेलरी कैरी करनी है तो असली फूलों का गजरा, फूलों की नेकलेस, हाथफूल, मांग टीका कैरी करें। इसके अलावा यदि गोटा-पट्टी ज्वेलरी पहननी है तो लाइटवेट और ट्रेडिशनल लुक के लिए इसका चयन करें। आजकल को हल्दी के कार्यक्रम के लिए ऑक्सिडाइज्ड ज्वेलरी भी अच्छी लगेगी। इस तरह की ज्वेलरी घर पर भी बनाई जा सकती है या बाजार से जाकर भी खरीदी जा सकती है। इससे लुक अच्छा नजर आएगा।

शादी में हल्दी की रस्म में पहनें ऐसे आउटफिट

हल्दी की रस्म भारतीय शादी की सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र रस्मों में से एक है। इसे शादी से एक या दो दिन पहले मनाया जाता है, जहां दूल्हा और दुल्हन को हल्दी का लेप लगाकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। हल्दी को पवित्र और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है, जो दूल्हा-दुल्हन के सौभाग्य को बढ़ाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक और स्किन ग्लो बढ़ाने वाले तत्व होते हैं, जो त्वचा को निखारते हैं। ये रस्म दूल्हा-दुल्हन को बुरी नजर से बचाने के लिए की जाती है। इस रस्म में लोग खूबसूरत तरह से तैयार होते हैं। यदि आप भी अपना खूबसूरत अंदाज दिखाना चाहती हैं तो यहां हम आपको हल्दी की रस्म में तैयार होने के लिए कुछ टिप्स देने जा रहे हैं।

ऐसी फुटवियर लगेंगी अच्छी

यह शादी का सीजन चल रहा है। ऐसे में महिलाएं अपने फुटवियर के चुनाव को लेकर काफी चिंतित रहती हैं। यदि लुक को मिनिमल रखा है तो पैरों में मोजरी, फ्लैट सैंडल या कोल्हापुरी चप्पल कैरी करें। बहुत सी लड़कियों को हील्स ही पहनना पसंद होता है। ऐसे में आप हल्की वेस्टर्न हील्स कैरी कर सकती हैं।

ट्रेडिशनल लुक करें कैरी

हल्दी में पीले रंग का कपड़ा पहनना काफी शुभ माना जाता है क्योंकि पीला रंग खुशी समृद्धि और ऊर्जा का प्रतिक होता है। ऐसे में अगर आप भी इस दिन स्टाइलिश येलो आउटफिट्स पहनना चाहती हैं। यदि आपको हल्की की रस्म में एथनिक लुक कैरी करना है तो हल्की कढ़ाई और फ्लोई फैब्रिक वाला लहंगा पहनें। लहंगा नहीं पहनना चाहती हैं तो हल्का और स्टाइलिश शरारा सूट कैरी करें। ये ऐसा ऑप्शन है जो कम्फर्टेबल भी रहेगा। खूबसूरत सी हल्की साड़ी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी। आजकल बनारसी, सिल्क या गोटा-पट्टी वर्क वाली साड़ी ट्रेंड में है। यह आउटफिट कैरी करने पर आप काफी ट्रेडिशनल और एलिगेंट लगेंगी। यह आउटिंग के लिए परफेक्ट आउटफिट है।

इंडो-वेस्टर्न लुक करें कैरी

यदि आप इंडो वेस्टर्न लुक कैरी करना है तो क्रॉप टॉप और स्कर्ट के साथ केप या जैकेट पहनें। आप चाहें तो खूबसूरत से कुर्ता के साथ धोती पैंट पहनें। इसके अलावा आप प्लाजो और लॉन्ग कुर्ता भी कैरी कर सकती हैं। इंडो वेस्टर्न आउटफिट आपको आपकी पसंद के हिसाब से बजट में भी मिल जाएंगे। ध्यान रखें कि ये जरूरी नहीं है कि हल्दी की रस्म में आपको पीले कपड़े ही पहनने हैं। अब लड़कियां अलद रंग कैरी करना ज्यादा पसंद करती हैं। कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो आप को-ऑर्ड सेट ट्राई कर सकते हैं। क्योंकि यह देखने में काफी स्टाइलिश लगते हैं और आपको इंडो वेस्टर्न लुक भी देगा।

हंसना मना है

पति- सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी, पत्नी- मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

पप्पू- क्या तुमको पता है कि मंदिर में पुरुष ही पुजारी क्यों होते है, चप्पू- नहीं यार तुम ही बता दो, गप्पू- मुझे पता है मैं बताता हूं, ताकि, लोग सिर्फ भगवान पर ध्यान दे सकें।

गप्पू टीचर से- लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते है? गप्पू- सर चोर होते है! टीचर - वो कैसे? गप्पू- क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

हसबैंड- डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो, पत्नी किचन से- तुमने कैसे जाना? हसबैंड- तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

हसबैंड- आज ऐसी चाय बनाओ कि पीते ही तन बदन झूमने लगे और मन नाचने लगे। पत्नी- हमारे यहां भैंस का दूध आता है नागिन का नहीं।

टीचर- Date और तारीख में क्या अंतर है? सारी Class चुप, गप्पू- सर, Date में Girlfriend के साथ जाते है और तारीख में वकील के साथ, टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए?

कहानी | शेर और चूहा

एक बार की बात है, किसी जंगल में एक चूहा रहता था। एक दिन जब वो अपनी बिल की तरफ लौट रहा था, तो उसने एक गुफा में एक शेर को आराम करते देखा। शेर को मजे में सोते हुए देख चूहे के मन में शरारत सूझी। चूहा शेर की गुफा में जा घुसा और शेर के ऊपर चढ़ गया। वह शेर के ऊपर खूब उछल-कूद करने लगा और उसके बाल खींचने लगा। चूहे की शरारतों से शेर की नींद खुल गई और उसने चूहे को अपने नुकीले पंजों में दबोच लिया। चूहे ने जब शेर के पंजे में खुद को पाया, तो वो समझ चुका था कि शेर के गुस्से से अब उसे कोई नहीं बचा सकता और आज उसकी मौत तय है। चूहा बुरी तरह डर गया और रो-रोकर शेर से विनती करने लगा कि शेर जी, मुझे मत मारो, मुझसे भूल हो गई, मुझे जाने दो। अगर आज आप मुझे जाने देंगे, तो मैं आपके इस उपकार के बदले भविष्य में जब भी आपको किसी मदद की जरूरत होगी, मैं आपकी मदद करूंगा। चूहे की बातें सुनकर शेर की हंसी निकल गई। शेर ने कहा कि तुम तो खुद इतने छोटे हो, मेरी मदद क्या करोगे। चूहे की विनती सुनकर शेर को उस पर दया आ गई और उसने चूहे को छोड़ दिया। चूहे ने शेर को धन्यवाद बोला और वहां से चला गया। कुछ दिनों बाद जब शेर खाने की तलाश में इधर-उधर घूम रहा था, तभी अचानक किसी शिकारी के फैलाए जाल में फंस गया। शेर ने खुद को जाल से निकालने की भरपूर कोशिश की, लेकिन निकल नहीं पाया। काफी देर कोशिश करने के बाद शेर ने मदद के लिए दहाड़ लगानी शुरू की। उसी वक्त वो चूहा उधर से गुजर रहा था कि उसने शेर की दहाड़ने की आवाज सुनी। वो भागकर शेर के पास गया और शेर को जाल में फंसा देख चौंक गया। उसने बिना देर करते हुए अपने नुकीले दांतों से जाल को काटना शुरू किया और कुछ ही देर में उसने पूरे जाल को काटकर शेर को आजाद कर दिया। चूहे की इस मदद से शेर की आंखें भर आईं और नम आंखों से शेर ने चूहे को धन्यवाद किया और दोनों वहां से चले गए। फिर शेर और चूहा अच्छे दोस्त बन गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क

घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह

प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला

उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु

अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ

पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन

क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

इंडियन आइडल छोड़ने पर बोले विशाल ददलानी, मैं अपना समय वापस चाहता हूं

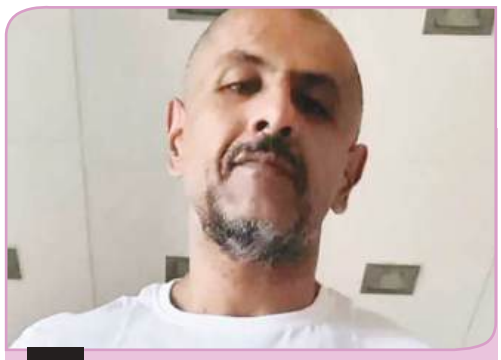

मशहूर गायक-संगीतकार विशाल ददलानी ने छह सीजन तक इसके पैनल में जज रहने के बाद सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल को अलविदा कह दिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर इंडियन आइडल के साथ अपने रिश्ते के खत्म होने की घोषणा की और कहा कि अब वह अपना सारा समय और एनर्जी दुनिया भर में संगीत बनाने और परफॉर्म करने में लगाना चाहते हैं। विशाल ने अपने इंस्टाग्राम पर श्रेया घोषाल और बादशाह के साथ एक प्यारा सा वीडियो साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें लिखा था, अलविदा, यारो। सीजन 6 में जितना मजा किया, उससे भी ज्यादा याद आएगी। हक से ज्यादा प्यार मिला है, इस शो की वजह से। इसमें शामिल सभी लोगों का हमेशा आभारी हूं। मुझे उम्मीद है कि शो मुझे उतना ही याद करेगा जितना मैं इसे मिस करूंगा। इंडियन आइडल से अलग होने का कारण बताते हुए विशाल ने कहा, मैं सचमुच सिर्फ इसलिए शो छोड़ रहा हूं, क्योंकि मैं अपना समय वापस चाहता हूं। मैं हर साल छह महीने मुंबई में नहीं रह सकता हूं। अब समय आ गया है कि संगीत बनाने, संगीत समारोहों में भाग लेने और कभी मेकअप न करने का। यह विशाल और शेखर का मौसम है। प्रशंसकों ने विशाल पर अपना प्यार बरसाया और व्यक्त किया कि वे उन्हें रियलिटी शो में देखना मिस करेंगे, लेकिन उन्होंने एक बार फिर उनका ताजा संगीत सुनने के लिए अपनी उत्सुकता भी साझा की। विशाल ने इंडियन आइडल के 10वें सीजन से लेकर हाल ही में समाप्त हुए 15वें सीजन तक इसे जज किया। उन्होंने इंडियन आइडल जूनियर 1 और सीजन 2 को भी जज किया। रविवार 6 अप्रैल को इंडियन आइडल 15 का समापन हुआ और 24 वर्षीय मानसी घोष को विजेता घोषित किया गया। उन्होंने सुभाजीत चक्रवर्ती और स्नेहा शंकर को हराया और विजेता की ट्रॉफी के साथ 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक शानदार कार अपने घर ले गईं।

18 अप्रैल को पुन: सिनेमाघरों में दस्तक देगी आयुष्मान खुराना की 'विकी डोनर'

सामाजिक मुद्दों से जुड़ी फिल्में करने के लिए मशहूर अभिनेता आयुष्मान खुराना एक बार फिर से सिनेमाघरों में धमाल मचाने आ रहे हैं। वो भी अपनी पहली फिल्म के साथ। जी हां, सही सुना आपने। फिल्मों के री-रिलीज की लिस्ट में अब आयुष्मान खुराना की पहली फिल्म 'विकी डोनर' का भी नाम शामिल हो गया है। इस बात की जानकारी खुद फिल्म की अभिनेत्री यामी गौतम ने दी है कि फिल्म फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म की मुख्य अभिनेत्री यामी गौतम ने विकी डोनर के री-रिलीज के बारे में जानकारी देते हुए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की है। अभिनेत्री ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, वह फिल्म जहां से हमारे लिए सबकुछ शुरू हुआ। फिर मिलेंगे सिनेमाघरों में। 18 अप्रैल की तारीख सेव कर लीजिए। बता दें कि विकी डोनर यामी गौतम की भी पहली फिल्म है। इसी फिल्म से उन्होंने बॉलीवुड में एंट्री की थी।

शूजित सिरकार द्वारा निर्देशित 'विकी डोनर' साल 2018 में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों द्वारा काफी पसंद किया गया था। यह फिल्म अवॉर्ड समारोह में भी काफी छाई रही थी। फिल्म को तीन नेशनल अवॉर्ड भी मिले थे। आयुष्मान खुराना को फिल्म के लिए बेस्ट डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। फिल्म की कहानी एक दम अलग और नई थी। इस फिल्म की कहानी एक स्पर्म डोनर पर आधारित थी। आयुष्मान खुराना स्पर्म डोनर की भूमिका में ही नजर आए थे। फिल्म में आयुष्मान खुराना और यामी गौतम के अलावा अन्नू कपूर, डॉली अहलूवालिया और कमलेश गिल भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

मुसीबत में फंसीं मलाइका, जारी हुआ वारंट

मुंबई की एक कोर्ट ने अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा के खिलाफ दोबारा जमानती वारंट जारी किया है। ये मामला 2012 का है, जब सैफ अली खान पर एक एनआरआई बिजनेसमैन के साथ मारपीट का आरोप लगा था। मलाइका उस वक्त सैफ के साथ मौजूद थीं, लेकिन वो गवाह के तौर पर कोर्ट में हाजिर नहीं हुईं।

ये घटना 22 फरवरी 2012 की है। सैफ अली खान अपनी पत्नी करीना कपूर, करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा, अमृता अरोड़ा और कुछ दोस्तों के साथ मुंबई के एक फाइव-स्टार होटल में डिनर के लिए गए थे। उसी दौरान एनआरआई बिजनेसमैन इकबाल मीर शर्मा ने सैफ और उनके ग्रुप की तेज आवाज और हंगामे पर आपत्ति जताई। पुलिस के मुताबिक इसके बाद सैफ ने इकबाल मीर शर्मा को धमकी दी और उनकी नाक पर मुक्का मार दिया, जिससे उनकी नाक टूट गई। इकबाल ने ये भी आरोप लगाया कि सैफ और उनके दोस्तों ने उनके ससुर रमन पटेल को भी पीटा।

हालांकि, सैफ का कहना है कि शर्मा ने उनके साथ मौजूद महिलाओं के खिलाफ भद्दी टिप्पणी की थी, जिसके बाद झगड़ा हुआ। इस मामले में सैफ और उनके दो दोस्तों- शकील लदाक और बिलाल अमरोही पर भारतीय दंड संहिता की धारा 325 (मारपीट) के तहत चार्जशीट दाखिल की गई है। तीनों को गिरफ्तारी के बाद जमानत मिल गई थी। मुंबई की एस्प्लेनेड कोर्ट के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के एस झंवर इस केस में गवाहों के बयान दर्ज कर रहे हैं।

मलाइका उस ग्रुप का हिस्सा थीं, जो घटना के वक्त होटल में मौजूद था। कोर्ट ने उन्हें गवाह के तौर पर पेश होने के लिए कहा था। पहली बार 15 फरवरी को उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी हुआ था, लेकिन वो नहीं आईं। इसके बाद सोमवार को कोर्ट ने फिर से वारंट जारी किया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी।

अजब-गजब | इस मेले में होती है झंडातोड़ प्रक्रिया

एमपी के इस ब्लाक में होती है मेघनाद की पूजा

खण्डवा। मध्यप्रदेश में प्रथाओं के नाम पर अजीब प्रथाओं का चलन जबरदस्त है। बात खंडवा के आदिवासी ब्लॉक खालवा की करेंगे जहां रावण के पुत्र मेघनाद के नाम पर जो पूजा आदिवासी समाज द्वारा होती है वह अजीब है। जहां थोड़ी सी चूक होने पर इसमें जान जाने का भी खतरा बना रहता है।

खंडवा के आदिवासी ब्लॉक खालवा में गोंड आदिवासियों की संख्या सबसे ज्यादा है। रावण महान पंडित था ये सब जानते हैं लेकिन यहां अधिकतर ग्रामों में रावण के पुत्र मेघनाद की पूजा की जाती हैं। यहां के लोग मेघनाद के पर्व को बहुत ही खास तरीके से मनाते हैं। हर वर्ष रंगपंचमी से लेकर चौदस तक बाबा मेघनाद को प्रसन्न करने के लिए सामुदायिक मेले का आयोजन यहां के लोग करते हैं। मेले के दौरान झंडा तोड़ प्रतियोगिता आयोजित होती है जो अपने आप में अनोखा और अनूठा हैं। कुम्हार खेड़ा में लगे इस अनूठे मेला स्थल पर झंडा दौड़ प्रतियोगिता का जो आयोजन किया जाता है उसमें जिस खंभे में झंडा टंगा होता है उसको तैयार करने का अंदाज भी अनूठा है। पेड़ के 50 से 60 फीट लंबे तने को तेल, सर्फ और साबुन से पोत पोतकर कई दिनों तक चिकना किया जाता है। इसके लिए इसे तेल में कई दिनों तक डूबो कर भी

रख देते हैं। चिकना होने के बाद खंबे के ऊपर एक लाल कपड़े में नारियल ,बतासे एवं ईनामी नगद राशि को खंभे के शीर्ष पर बांध दिया जाता है। गांव के साहसी युवा इस चिकने खंभे पर चढ़कर ऊपर बंधा झंडा तोड़ने का प्रयास करते हैं।

इस मेघनाद मेले में रणबाकुरों के छक्के छुड़ाने युवती और महिलाएं सज धजकर आती है। सज धजकर आई नव युवतियां एवं महिलाएं हाथ में हरे बांस की लकड़ी लेकर युवाओं को इस चिकने खंभे पर ऊपर चढ़ने से अलग अलग तरीके से रोकती हैं, तथा हरी बांस की लकड़ी से ऊपर चढ़ने वाले युवाओं की पिटाई भी करती हैं। वहीं ग्रामीण बाजा ढोलक बजाकर वीर युवाओं का उत्साह वर्धन करते हैं। प्रतियोगिता तब बहुत ही रोचक हो जाती है और जो युवा ऊपर तक पहुंचकर झंडा तोड़ कर ले आता है। उसे इस झंडा तोड़ प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया जाता है।

गोंड समाज के आराध्य मेघनाद बाबा की पूजा देश भर में सिर्फ गोंड जनजाति के लोग हीं पूजते हैं। अनुयायियों के मुताबिक मेघनाद बाबा आदिवासियों के महान देवता हैं। मेघनाद बाबा के मेघगर्जन और प्रकोप से बचने के लिए और उन्हें प्रसन्न करने के लिए मेघनाद बाबा को मुर्गे या बकरे की बलि च?ई जाती है। कुम्हार खेड़ा के रामचंद्र ने बताया की गोंड समाज के द्वारा रावण पुत्र मेघनाद को देवता के रूप में पूजा जाता है। होली पर फसल काटने के बाद सभी उनकी सामूहिक पूजा करते हैं। आदिवासी गोंड जनजाति समुदाय के लोग मेघनाद को अपना इष्ट देव मानते हैं। अन्न, जल, सूर्य और चांद को तो देवता के रूप में पूजा जाता है, उसी तरह मेघनाद बाबा को प्रकृति स्वरूप के रूप में पूजते हैं। इनका दशानन रावण से कोई भी लेना देना नहीं है। सिर्फ मेघनाद को ये पूजते हैं। इस मौके पर आयोजित मेले में समाजजन परिवार के साथ पूजन करते हैं और मेले का लुत्फ उठाते हैं।

एक ही टेबल पर बैठकर तीन देशों में होगा लंच, जादुई है ये जगह!

जब हम किसी विदेश यात्रा के बारे में सोचते भी हैं, तो हमें वीज़ा-पासपोर्ट से लेकर अच्छे खासे बजट का इंतजाम करना पड़ता है। कभी आपने सोचा है कि ऐसा हो सकता है कि हम एक साथ ही तीन अलग-अलग देशों में मौजूद हों। अमेरिका में ई-मेल देख रहे हों, लंदन में किसी दोस्त को मैसेज कर रहे हों और सोल में के ड्रामा का सेट एक्सपीरियंस कर रहे हों? सुनने में ये किसी साइंस फिक्शन जैसा लगता है ना?

हालांकि धरती पर कुछ जगहें ऐसी हैं, जो आपको इस तरह का अनुभव दे सकती हैं। आज हम आपको एक जादुई जगह के बारे में बताएंगे, जहां पहुंचकर आप 3 सेकंड में 3 देशों की यात्रा कर सकते हैं या फिर यूं कहें कि एक ही वक्त में हम सभी जगहों पर मौजूद होंगे। है ना अजीब लेकिन ये सच भी है। इस वक्त एक ऐसी ही जगह की तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें सेंट्रल यूरोप के एक कोने में मौजूद टेबल पर बैठते ही आप तीन देशों में एक साथ पहुंच जाते हैं। इस टेबल को एक अंतर्राष्ट्रीय कलाकार ने बनाया था, जिसकी थीम थी। त्रिकोण। इसी शेर में टबल बनी है, जो तीन देशों को दिखाती है। आमतौर पर सीमाएं फेंस से बनी होती हैं, जिसमें गेट होते हैं लेकिन यहां ऑस्ट्रिया, स्लोवाकिया और हंगरी की सीमा मिलती है, जो टेबल से जुड़ती है। यहां शांति है और कोई लड़ाई झगड़ा नहीं। इस पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर Vertigo_Warrior नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। इसे लाखों लोगों ने देखा और पसंद किया है। इस पर लोगों ने काफी दिलचस्प कमेंट भी किए हैं। एक यूजर ने लिखा- 'ये अच्छा है लेकिन मैं भावुक क्यों हो रहा हूं?' वहीं दूसरे यूज़र ने लिखा- 'सोचिए सीमा विवाद इस बेंच पर सुलझाया जा रहा हो।' वहीं कुछ अन्य यूजर्स ने लिखा कि वे इसे अपनी लिस्ट में शामिल करना चाहते हैं।

घर के कूड़े पर दिल्ली की सियासत गरमाई

आप ने आंदोलन की दी चेतावनी

» शुल्क वसूलने पर भाजपा और आप आमने-सामने

» यूजर चार्ज एमसीडी की आप सरकार के निर्देश पर लगा है : नेता प्रतिपक्ष इकबाल सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में अब घर का कूड़ा सियासत का सामान बन गया है। नगर निगम की ओर से घरों से कूड़ा उठाने के बदले यूजर चार्ज वसूलने के मामले में राजधानी में सियासत गरमा गई है। आप और भाजपा आमने-सामने हैं। आप ने इस मामले पर सड़कों पर उतरने की बात की है। आप ने निगमायुक्त से चार्ज लागू करने की अधिसूचना को तत्काल वापस लेने की मांग की, जबकि भाजपा पार्षदों ने मेयर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर यूजर चार्ज का विरोध किया। दोनों ही दल एक-दूसरे पर जनता पर बोझ डालने और भ्रम फैलाने के आरोप लगा रहे हैं।

आप का आरोप है कि भाजपा सरकार बिजली-पानी और स्कूलों के नाम पर पहले ही जनता को परेशान कर रही है, अब एमसीडी के जरिये नया टैक्स थोप रही है। वहीं एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह के नेतृत्व में पार्षदों ने मेयर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यूजर चार्ज एमसीडी की आप सरकार के निर्देश पर लगाया गया है, जो जनता पर बोझ डालने की तैयारी में है। जब एमसीडी में भाजपा सरकार थी तो यूजर चार्ज लागू नहीं होने दिया गया था। अब आप सरकार जाते-जाते जनता पर अतिरिक्त टैक्स थोप रही है। भाजपा पार्षदों ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन में यूजर चार्ज वापस नहीं लिया गया तो वे सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे।

लोग बोले- ऑटो टिप्पर की नियमित सेवा न होने पर भी शुल्क वसूलना सही नहीं

एमसीडी ने घर-घर से कूड़ा उठाने की सेवा पर यूजर चार्ज लागू कर दिया है, लेकिन हकीकत यह है कि बहुत से इलाकों में लोगों को यह सेवा या तो समय पर नहीं मिल रही या फिर कई-कई दिन तक ऑटो टिप्पर नहीं आता। इनका रूट और समय भी तय नहीं है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि जब नियमित सेवा ही नहीं है तो फिर शुल्क वसूलने का क्या औचित्य है। लोगों का कहना है कि शहर के अनेक क्षेत्रों में कूड़ा उठाने वाले ऑटो टिप्पर कभी आत हैं तो कभी नहीं।

यूजर चार्ज वसूलने की अधिसूचना लें वापस : आप

आप ने नगर निगम आयुक्त से कूड़ा उठाने पर यूजर चार्ज लेने के लिए जारी अधिसूचना को तत्काल वापस लेने की मांग की है। मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में आप के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि मेयर ने कमिश्नर को विस्तृत आदेश दिया है कि वे तत्काल यूजर चार्ज की अधिसूचना को वापस लेकर निरस्त करें, लेकिन अफसर बता रहे हैं कि हाउस टैक्स के जरिये यूजर चार्ज लागू करने के लिए भाजपा का उन पर बहुत दबाव है।

राजस्थान में अफसर सो रहे हैं, लोग रो रहे हैं: वसुंधरा

» पूर्व सीएम ने भजन सरकार के कामकाज पर उठाए सवाल

» ट्वीट से मची राजस्थान भाजपा में उथल-पुथल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। अफसर सो रहे हैं, लोग रो रहे हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। राजे का यह बयान राजस्थान की राजनीति में भी कुछ बड़ा होने के संकेत दे रहा है। जिस तरह भयानक लू राजस्थान को झुलसा रही है, उसी तरह राजे का यह बयान भी आने वाले दिनों में सियासी 'हीट वेव्स' चलने के संकेत दे रहा है। राजे ने मंगलवार रात को एक के बाद एक ट्वीट किए, जिसमें उन्होंने अपनी विधानसभा में पेयजल संकट का जिक्र कर प्रशासन को चेतावनी दी। यही नहीं उन्होंने जल जीवन मिशन का जिक्र करते हुए अपनी विधानसभा में हुए खर्च का हिसाब भी अफसरों से मांग लिया। अपने दूसरे ट्वीट में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीजी ने जल जीवन मिशन में 42 हजार करोड़ रुपये दिए हैं।

पाई-पाई का हिसाब दो कि झालावाड़ के हिस्से की राशि का आपने क्या किया? पेयजल संकट निवारण के लिए हमारी सरकार तो पैसा दे रही है, लेकिन अफसर योजनाओं की सही क्रियान्विति नहीं कर रहे। इसलिए राजस्थान के लोग प्यास से व्याकुल हैं। यह तो अप्रैल का हाल है। जून-जुलाई में क्या होगा? अधीक्षण अभियंता सहित उपस्थित कोई भी अधिकारी मुझे संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। लोगों के धैर्य की परीक्षा मत लीजिए। झालावाड़ में ऐसा हरगिज नहीं चलेगा।

राजे बोलीं- क्या जनता को प्यास नहीं लगती

अपने पहले ट्वीट में राजे ने अधिकारियों से सवाल करते हुए कहा कि क्या प्यास सिर्फ अफसरों को ही लगती है। गर्मी में पेयजल संकट के कारण जनता त्रस्त है और अफसर तृप्त हैं। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुंचे। अफसर सो रहे हैं और लोग रो रहे हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। रायपुर कस्बे के ग्रामीणों की पेयजल संकट की शिकायत पर जलजीवन मिशन और जलदाय विभाग के अफसरों को त्वरित समाधान के सख्त निर्देश दिए।

अजेय गुजरात का मुकाबला जोशीले राजस्थान से आज

» दोनों टीमों का गेंदबाजी पक्ष है कमजोर कड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। ये मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। राजस्थान की कमान जहां संजू सैमसन के हाथों में है तो वहीं गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल के पास है। दोनों ही टीमें अपना पिछला मुकाबला जीतकर आ रही हैं। गुजरात टाइटंस के पास अभी 6 प्वाइंट हैं। जबकि राजस्थान रॉयल्स के पास चार अंक हैं। गुजरात ने लगातार तीन मैचों में जीत हासिल की है, वहीं राजस्थान ने लगातार दो मैच जीते हैं।

लेकिन दोनों टीमों की गेंदबाजी में कमजोरी नजर आ रही है। गुजरात टाइटंस का गेंदबाजी विभाग मोहम्मद सिराज और आर साई किशोर के प्रदर्शन पर निर्भर करता है, लेकिन राशिद खान और इशांत शर्मा की फार्म चिंता का विषय रही है। वहीं, राजस्थान की बल्लेबाजी में कुछ विस्फोटक नाम हैं, जैसे संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल, रियान पराग और नितीश राणा, जिन्होंने 150 के ऊपर स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। हालांकि, यशस्वी जायसवाल की कमी खल रही है, जिनके 101 रन चार मैचों में आए हैं, और इन में से 67 रन एक ही मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ बने थे। राजस्थान के गेंदबाजी विभाग में गहरी समस्या है क्योंकि संदीप शर्मा के अलावा अन्य गेंदबाज रन रोकने में असफल रहे हैं। हालांकि, जोफ्रा आर्चर का पंजाब किंग्स के खिलाफ प्रदर्शन (4-0-25-3) एक सकारात्मक संकेत है। अहमदाबाद के स्टेडियम में हालिया मैचों में 243, 232, 196 और 160 जैसे बड़े स्कोर बने हैं। ऐसे में राजस्थान के गेंदबाजों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति होगी, क्योंकि उन्हें गुजरात के मजबूत बल्लेबाजी विभाग का सामना करना होगा, जिसमें गिल, बटलर, शेरफेन रदरफोर्ड और साई सुदर्शन जैसे बल्लेबाज शामिल हैं।

चौथी बार आईपीएल में लगातार चार मैच हारा सीएसके

नई दिल्ली। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल का 18वां सीजन अब तक कुछ खास नहीं रहा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ इस सीजन उसकी लगातार चौथी हार है। पंजाब किंग्स ने सीएसके को 18 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष चार में वापसी कर ली है। सीएसके ने अब तक पांच मैच खेले हैं और उसे एक मैच में ही जीत मिली है। पंजाब ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 219 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर सिर्फ 201 रन ही बना सकी। आईपीएल इतिहास में यह चौथी बार है जब सीएसके ने किसी आईपीएल सीजन में लगातार चार मैच गंवाए हैं। उसने 2010, 2022, 2022-23 और अब 2025 सीजन में लगातार चार मैच गंवाए।

स्टंट करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज

» गोमती नगर विस्तार पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक बार फिर थाना गोमती नगर विस्तार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना गोमती नगर विस्तार पुलिस ने थार कार से स्टंट करने वाले रीलबाजों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। वायरल वीडियो के आधार पर विस्तार इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी ने इन रीलबाजों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। ऐसे मामलों में पुलिस की कार्रवाई का उद्देश्य न केवल स्टंट करने वालों को सबक सिखाना है, बल्कि सड़क सुरक्षा को भी बढ़ावा देना है।

इंस्टाग्राम के अकाउंट पर नजर

विस्तार पुलिस इससे पहले रीलबाजों और स्टंट करने वालों से माफी मांगवा कर कार्रवाई भी की गई है। स्टंट करने वाले युवक अक्सर अपनी और दूसरों की जान को खतरे में डालते हैं। स्टंट करने वाले स्टंटबाजों के सभी लोगों के इंस्टाग्राम के अकाउंट पर नजर रखी जा रही है। थार से स्टंट करने वालों ने अपने सोशल मीडिया पर चार दिन पहले वीडियो शेयर किया है जिसके बाद वायरल वीडियो से पुलिस को जानकारी मिली है। इससे पहले भी स्टंट और रीलबाजों पर कार्रवाई की गई है। सभी स्टंटबाजी करने वालों को तलाश जा रही है जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम ने पुराने बकाएदरों से वसूला टैक्स

» लगभग 20 वर्षों से जोन 3 भारतेंदु वार्ड में पेंडिंग था गृहकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लगभग 20 वर्षों से जोन 3 भारतेंदु वार्ड में केडीटी प्लाजा पर गृहकर का भुगतान नहीं किया गया था, जिससे नगर निगम को लगभग 9 लाख रुपये का नुकसान हुआ था। इस मामले में जोनल अधिकारी अमरजीत यादव ने कार्रवाई करते हुए प्लाजा का कुछ हिस्सा सील कर दिया।

बाद में, एक विधायक और एक पार्षद की सिफारिश पर, जोनल अधिकारी ने ब्याज माफ कर दिया और मूल गृहकर की राशि को नगर निगम के खजाने में जमा करा दिया। जोनल अधिकारी के जानकारी के अनुसार केडीटी प्लाजा की फाइल उनकी देख रख में बनी है जिसका संज्ञान उनके आला अधिकारियों को भी था।

सीलिंग और टैक्स वसूली के मामले में नगर निगम की कार्रवाई

नगर निगम द्वारा ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जिससे उसकी आय बढ़ सके और शहर के विकास के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध हों। जोनल अधिकारी अमरजीत यादव की कार्रवाई इसी दिशा में एक कदम है, जिससे नगर निगम को अपने बकायेदारों से वसूली करने में मदद मिल रही है।

एनडीए सरकार केवल अमीरों की गरीबों की नहीं : तेजस्वी यादव

» सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी पर भड़के विपक्षी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार केवल अमीरों के लिए है, गरीबों के लिए नहीं। तेजस्वी यादव ने कहा कि कीमतें अपने चरम पर हैं। यह सरकार केवल अमीरों के लिए है, गरीबों के लिए नहीं। वे वास्तविक मुद्दों पर बात नहीं करेंगे। उनके शासन में महंगाई और बढ़ेगी।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सह राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एक बार फिर मुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब बिहार को थका-हारा नहीं, बल्कि नया और काम करने वाला मुख्यमंत्री चाहिए।

उन्होंने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार से एनडीए का सफाया होगा और इंडी (इंडिया) एलायंस मजबूती से चुनाव लड़ेगा। तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कहा कि बिहार में इस बार जनता का मूड बदलाव का है। उन्होंने कहा कि बिहार में जनता ने खटारा सरकार के सिस्टम को नकार दिया है।

लोग अब ऊब चुके हैं। उन्हें ऐसा मुख्यमंत्री चाहिए जो ऊर्जा से भरा हो, जो विकास कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि इंडी एलायंस मजबूती से मैदान में उतरेगा और एनडीए को हर हाल में सत्ता से बाहर करेगा।

'कांग्रेस ने अब तक एक भी सीट नहीं मांगी'

सीट बंटवारे के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि विपक्षी गठबंधन में फिलहाल बातचीत जारी है, लेकिन कांग्रेस की ओर से अभी तक एक भी सीट की औपचारिक मांग नहीं की गई है। यह बयान तब आया जब विपक्षी दल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के नेता मुकेश सहनी द्वारा साठ सीटों की मांग को लेकर सवाल पूछा गया। तेजस्वी ने कहा कि गठबंधन के सभी घटक दलों से उचित संवाद होगा और जो फैसला होगा, वह सामूहिक रूप से लिया जाएगा।

नीतीश अब मुखिया बनने लायक भी नहीं : दानिश

राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष दानिश इकबाल ने किशनगंज में पार्टी कार्यालय पर आयोजित एक अहम बैठक के दौरान केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने वक्फ से जुड़े नए कानून को मुस्लिम समाज के अधिकारों के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि सरकार सुनियोजित तरीके से एक समुदाय के साथ सौतेला व्यवहार कर रही। दानिश इकबाल ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर भाजपा खुद को मुसलमानों का हितैषी दिखाना चाहती है, दूसरी ओर वह उनके संवैधानिक अधिकारों को छीनने की साजिश कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि राम मंदिर ट्रस्ट में एक भी मुसलमान ट्रस्टी नहीं बनाया गया, फिर वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम को शामिल करने की कोशिश क्यों की जा रही है? उन्होंने दावा किया कि वक्फ कानून लाते ही उत्तर प्रदेश के मदरसों पर कार्रवाई शुरू हो गई, जो यह दिखाता है कि यह सब कुछ एक बड़े प्रोपेगेंडा का हिस्सा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी दानिश इकबाल ने बेहद तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें पहले बहुत मानता था, लेकिन अब वे प्रधानमंत्री तो दूर, मुखिया बनने लायक भी नहीं बचे हैं। उन्होंने नीतीश कुमार पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे एक ओर इफ्तार पार्टियों में शामिल होते हैं और दूसरी ओर मुस्लिम समाज की पीठ में छुरा घोंपते हैं। दानिश इकबाल ने कहा कि जिस नेता की कोई स्थायी राजनीतिक सोच नहीं होती, उसका अंत भी राजनीतिक रूप से तय होता है। उन्होंने चेताया कि इस तरह के दोहरे व्यवहार का असर नीतीश कुमार को आगामी चुनावों में भुगतना पड़ेगा।

दलित विरोधी है भाजपा की मानसिकता : राहुल

» राजस्थान में मंदिर शुद्धिकरण पर नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने टीका राम जूली और भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा राम मंदिर के दर्शन से जुड़ी एक विवादित घटना के बाद भाजपा पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया।

दलित नेता और राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीका राम जूली ने राम नवमी के अवसर पर राम मंदिर का दर्शन किया। कांग्रेस द्वारा पोस्ट की गई पोस्ट के अनुसार, उनके दर्शन के बाद, भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने मंदिर को गंगाजल से धोया।

कांग्रेस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में भाजपा विधायक ज्ञानदेव आहूजा यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं, कुछ अपवित्र लोग आए थे, इसलिए मैंने मंदिर को शुद्ध करने के लिए गंगाजल डाला।कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे भाजपा और आरएसएस द्वारा दलितों का अपमान करने का एक और उदाहरण बताया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि बीजेपी की दलित विरोधी और मनुवादी सोच का एक और उदाहरण! बीजेपी लगातार दलितों को अपमानित और संविधान पर आक्रमण करती आ रही है। इसलिए संविधान का सिर्फ सम्मान नहीं, उसकी सुरक्षा भी ज़रूरी है। मोदी जी, देश संविधान और उसके आदर्शों से चलेगा, मनुस्मृति से नहीं जो बहुजनों को दूसरे दर्जे का नागरिक मानती है।

कंगना रनौत के बयान पर भड़की कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत पर उनके भेड़िया वाले बयान को लेकर निशाना साधा है और कहा है कि वह बिना सोचे समझे बोलती हैं और उन्हें मुंह से गोली चलाने का सिंड्रोम है। पटेल ने एएनआई से कहा, कंगना हमेशा बिना सोचे समझे बोलती हैं। उन्हें मुंह से गोली चलाने का सिंड्रोम है। उन्हें जो बोलना है बोलने दें, इससे पता चलता है कि भाजपा के सांसद किस तरह के हैं।

रनौत ने इससे पहले हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया था कि राज्य की हालत खराब है और इसे भेड़ियों की पकड़ से मुक्त करने की जरूरत है। भाजपा सांसद पर निशाना साधते हुए पटेल ने पूछा कि क्या कंगना को लगता है कि हिमाचल देश का हिस्सा है। कांग्रेस नेता ने पूछा, अगर आप कह रहे हैं कि देश में प्रगति हो रही है और हिमाचल प्रदेश में नहीं, तो क्या हिमाचल प्रदेश इस देश का हिस्सा नहीं है? क्या प्रधानमंत्री मोदी की हिमाचल प्रदेश के लोगों के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं है? क्या इसका मतलब यह है कि केवल भाजपा सरकार वाले राज्य ही प्रगति करेंगे?

कुछ लोगों को मुंह से गोली चलाने का सिंड्रोम : मुमताज पटेल

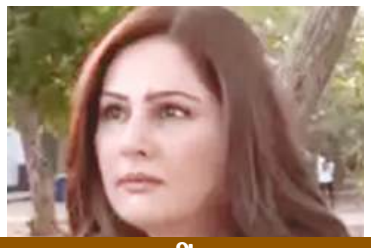

चुनाव जीतने का मतलब लहर नहीं

पटेल ने देश में मोदी लहर की धारणा को खारिज करते हुए कहा कि 60 प्रतिशत लोगों ने भाजपा सरकार के खिलाफ मतदान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार नहीं बल्कि एनडीए सरकार है। उन्होंने कहा,मैं स्पष्ट कर दूं कि चुनाव जीतने का मतलब यह नहीं है कि कोई लहर चल रही है क्योंकि 60 प्रतिशत लोग अभी भी इस सरकार के खिलाफ वोट करते हैं। वर्तमान में संसद में मोदी सरकार अल्पमत में है। यह गठबंधन सरकार है। यह मोदी सरकार नहीं है। यह एनडीए की सरकार है।

भाजपा विधायक और बिहार सरकार के खेल मंत्री ने गर्मी में बांट दिए लोगों को कंबल, विपक्ष ने कसा तंज

पटना(4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक मंत्री खूब चर्चा में है। कारण यह है कि उन्होंने गर्मी में कंबल बांट दिया। यह मंत्री कोई और नहीं बल्कि बेगूसराय से बछवाड़ा के भाजपा विधायक और बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता हैं। अब पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव की पार्टी उनके इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर तंज कस रही है और नीतीश सरकार पर तंज कस रही है। इससे सियासत गरमा गई है। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर मंसूरचक प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत-दो स्थित अहियापुर गांव में उन्होंने कंबल वितरण किया। उक्त कार्यक्रम में पांच सौ से ज्यादा लोगों को कंबल दिए गए। कार्यक्रम खत्म हो गया। लोग भी कंबल लेकर अपने घर चले गए। इसके बाद खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता ने कार्यक्रम की दस तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा की।

सुप्रीम कोर्ट के राज्यपाल को फटकार के बाद द्रमुक जोश में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को फटकार लगाने के बाद वहां सियासत में बूम आ गया। कोर्ट के इस फैसले के बाद द्रमुक सरकार ने भाजपा को निशाने पर ले लिया है। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने आलोचना करते हुए कहा कि राज्यपाल राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर अपनी सहमति नहीं दे सकते या पूर्ण वीटो या पॉकेट वीटो का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

भाजपा को भी आड़े हाथों लिया

कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल ने 10 विधेयकों को मंजूरी न देकर कानून के खिलाफ काम किया है, जिन्हें पहले विधानसभा द्वारा वापस भेजे जाने के बाद दोबारा पारित किया गया था। कोर्ट ने इन विधेयकों को पारित घोषित कर दिया। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य विधानसभा में एक बयान दिया, जिसमें उन्होंने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया।

राज्यपाल को ऐसे मामलों में कोई विवेकाधिकार प्राप्त नही : कोर्ट

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल को ऐसे मामलों में कोई विवेकाधिकार प्राप्त नहीं है और वह मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करने के लिए बाध्य है। पीठ ने कहा कि राज्यपाल अनिश्चित काल तक स्वीकृति को रोक नहीं सकते हैं और न ही प्रभावी रूप से पूर्ण वीटो या पॉकेट वीटो का प्रयोग कर सकते हैं। फैसले के अनुसार, एक बार जब विधानसभा द्वारा विधेयक पारित कर दिया जाता है और दूसरी बार राज्यपाल को भेजा जाता है, तो राज्यपाल के लिए एकमात्र संवैधानिक कार्यवाही यह है कि वह या तो उस पर स्वीकृति दे या, दुर्लभ मामलों में, यदि विधेयक अपने पहले संस्करण से काफी भिन्न है, तो स्वीकृति को रोक ले। इसे फिर से राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करने की अनुमति नहीं है। न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद, सभी 10 लंबित विधेयक अब स्वीकृत हो गए हैं।

केवल तमिलनाडु ही नहीं बल्कि भारत की सभी राज्य सरकारों के लिए एक बड़ी जीत : स्टालिन

सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल ने कई विधेयकों को बिना अपनी सहमति दिए लौटा दिया था। हमने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और अब उसने फैसला सुनाया है कि इस तरह से सहमति न देना गैरकानूनी था। यह न केवल तमिलनाडु बल्कि भारत की सभी राज्य सरकारों के लिए एक बड़ी जीत है। अदालत के फैसले को संघीय सिद्धांतों की पुष्टि और विधायी मामलों में राज्यपालों के विवेकाधीन हस्तक्षेप को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम को फोन कर उनके पिता एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता चिदंबरम के अहमदाबाद स्थित एक अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिलने पर स्टालिन ने उनके बेटे कार्ति चिदंबरम से फोन पर बात की तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

गैस के दाम बढ़ाने पर स्टालिन भड़के

घोषणा के बाद तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भी केंद्र सरकार की आलोचना की और पूछा कि लोगों के घरों में चूल्हे जलने चाहिए या भूख से उनके पेट जलने चाहिए। तमिलनाडु के सीएम ने एक्स पर कहा कि लोगों के घरों में चूल्हे जलने चाहिए या भूख से उनके पेट जलने चाहिए? अगर आप मदद नहीं कर सकते, तो कम से कम नुकसान तो न पहुंचाए यह कहावत परपीड़क भाजपा सरकार पर पूरी तरह से फिट बैठती है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।